(ग) 1967-68 के दौरान योजना के लिये नियत कोई धनराशि गैर-योजना खर्च में परिवर्तित करने की स्वीकृति नहीं दी गई।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

Bridge Over Choti Gandak at Gothmi Ghat (Bihar)

7743. SHRI VISHWA NATH PANDEY : Will the Minister of TRANSPORT AND SHIPPING be pleased to state :

(a) the progress made so far about the construction of a bridge over Choti Gandak at Gothmi Ghat (Bihar) which will connect the States of Uttar Pradesh and Bihar ;

(b) the total amount of expenditure on the said bridge ;

(c) when the bridge is likely to be completed ; and

(d) when it will be opened for traffic ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF TRANSPORT AND SHIPPING (SHRI BHAKT DARSHAN) : (a) and (c). The bridge proper has been completed.

(b) An expenditure of Rs. 22.92 lakhs was incurred on the bridge proper (excluding the road approaches) till the 31st March 1968. This amount does not include the claims preferred by the contractors, which remain to be disposed of by the Government of Bihar.

(d) The approach roads to the bridge are being constructed by the State Governments of Uttar Pradesh and Bihar in their respective territories out of their own funds. On the Bihar side earthwork on the approach road is expected to be completed in about 15 days and the collection of materials for metalling the road is nearly complete. The entire approach road is expected to be completed in another three months. As regards the approach road in Uttar Pradesh, the estimate for the work was sanctioned by the State Government in January 1968 and the work has recently been taken in hand. The bridge will be opened for traffic on the completion of both the approach roads to the bridge.

नागाओं के साथ मुठभेड़

7744. श्री ओंकार लाल बेरवा : क्या गृह-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 19 मार्च, 1968 को कोटलिन गांव में विद्रोही नागाओं के अचानक सशस्त्र आक्रमण के फलस्वरूप ग्राम सुरक्षा दल के छः स्वयं सेवकों की मृत्यु हो गई थी; और

(ख) यदि हां, तो सरकार ने इस बारे में क्या कार्यवाही की है ?

गृह-कार्य मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) 16 मार्च, 1968 की रात को मिजो-कूकी विद्रोहियों के एक सशस्त्र गिरोह द्वारा कोटलिन गांव की चौकी पर आक्रमण के परिणामस्वरूप ग्राम स्वयं सेवक दल के छः सदस्यों की मृत्यु हो गई थी।

(ख) घटना के तुरन्त बाद उस क्षेत्र में सुरक्षा दल ने विस्तृत खोज-कार्यवाही आरम्भ की। पुलिस द्वारा एक मामला भी दर्ज किया गया था।

"केयर" से उपहार के रूप में प्राप्त हुए दूध के चूर्ण का वितरण

7745. श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री अमृत नाहटा :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि "केयर" से उपहार के रूप में प्राप्त दूध तथा अन्य वस्तुओं का वितरण विदेशी धर्मप्रचारकों द्वारा किया जाता है;

(ख) यदि हां, तो इस के क्या कारण हैं;

(ग) क्या यह भी सच है कि ईसाई धर्म-प्रचारक लोगों को ईसाई बनाने हेतु लालच देने के लिये इन वस्तुओं का उपयोग करते हैं; और

(घ) यदि हां, तो उसे रोकने के लिये

सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

गृह-कार्य मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) जी नहीं, श्रीमान् ।

(ख) से (घ). प्रश्न नहीं उठते ।

Language Teachers in Delhi Administration

7746. SHRI SHASHIBHUSHAN BAJPAI : Will the Minister of EDUCATION be pleased to state :

(a) the number of Language Teachers under the administrative control of the Directorate of Education, Delhi who have been allowed the Post Graduate Teachers' Grade during the period from 1.9.1959 to 29.2.1968 through Departmental promotion ;

(b) the number of language teachers who had passed M. A. (Hindi) in Second Class and were appointed in the lower grade during the same period, as compared to the teachers with similar qualification in other subjects ; and

(c) if any of them have not been promoted to the Post Graduate Teachers' grade so far, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EDUCATION (SHRI BHAGWAT JHA AZAD) : (a) to (c). The requisite information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha in due course.

दिल्ली पुलिस कर्मचारियों को गर्म वर्दी

7747. **श्री निहाल सिंह** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली के पुलिस कर्मचारियों को ऊनी पैंट दी गई और उनमें से केवल अगले कर्मचारियों को गर्म कमीजें दी गई;

(ख) यदि हां, तो उन्हें पूरी वर्दी न दिये जाने के क्या कारण हैं; और

(ग) सिपाहियों तथा हवलदारों की पूरी वर्दी में क्या-क्या वस्तुएं दी जाती हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) और (ख). सरकार ने दिल्ली पुलिस दल के सभी अराजपत्रित सदस्यों को अंगोला कमीज तथा ऊनी पतलून (पाजामे) देने के लिए, उनके अतिरिक्त जो उन्हें पहले दिये हुए हैं, स्वीकृति प्रदान की है। 15,000 अंगोला कमीजों की कुल आवश्यकता के विरुद्ध जिनका बनाना स्वीकृति के तुरन्त बाद शुरू कर दिया गया था 6949 कमीजें दल के सदस्यों को दे दी गई हैं और शेष तैयार होने पर दी जा रही हैं ।

(ग) निम्नलिखित ऊनी वस्तुएं कांस्टेबल और हैड-कांस्टेबल की मानक वर्दी में सम्मिलित की जाती हैं :—

बड़ा कोट ऊनी	1
कार्डीगन जेकिट	1
पट्टी आधी ऊनी	2 जोड़े
बिना पंजे का मोजा ऊनी	2 जोड़े
मोजे ऊनी	1 जोड़ा
अंगोला कमीज	1
ऊनी पाजामे	2

दिल्ली पुलिस

7748. **श्री निहाल सिंह** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली पुलिस के सिपाहियों तथा हवलदारों को तब तक आकस्मिक तथा नियमित छुट्टियां नहीं दी जाती है जब तक उसके स्थान पर दूसरा नहीं आ जाता है; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) जी नहीं, श्रीमान । तथापि सेवा की अत्यावश्यकता में कभी-कभी छुट्टी अस्वीकार अथवा स्थगित कर दी जाती है ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।